जल्द पेराई से 79% बढ़ा चीनी उत्पादन

नई दिल्ली। चालू चीनी सत्र 2017-18 में 15 नवंबर तक देश के चीनी उत्पादन ने 13.73 लाख टन के आंकड़े को छू दिया है, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 79 फीसदी अधिक है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस्मा ने 2017-18 चीनी सत्र में 2.51 करोड़ टन चीनी उत्पादन की संभावना जताई है, जो पिछले चीनी सत्र (अक्तूबर-सितंबर) में 2.02 करोड़ टन था। एक बयान में इस्मा ने कहा कि गन्ने की पेराई काफी पहले शुरू होने की वजह से इतने कम दिनों में उच्च उत्पादन हुआ है। इस सत्र में 15 नवंबर तक लगभग 313 चीनी मिलों का संचालन हो रहा था, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 222 चीनी मिलों का ही संचालन हो रहा था।

स्टॉक होल्डिंग लिमिट हटाने की मांग : चूंकि इस सत्र में अधिशेष उत्पादन की उम्मीद है, इसलिए उसने सरकार से चीनी के व्यापारियों पर लगाई गई स्टॉक होल्डिंग लिमिट को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की है। अधिशेष चीनी की उपलब्धता व उम्मीद से कम चीनी के उठान के साथ व्यापारियों पर स्टॉक होल्डिंग लिमिट का बरकरार रहना खरीद हितों को प्रभावित कर रहा है। यह नकदी प्रभाव को प्रभावित करेगा, जो चीनी उत्पादकों के हितों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। और बहुत जल्द ही गन्ना किसानों को भुगतान की उनकी क्षमता पर असर डाल सकता है। एजेंसी